

अंतर्जाल आ मैथिली

गजेन्द्र ठाकुर

पूर्वपीठिका :

इंटरनेट पर ई-प्रकाशित करबाक उद्देश्य सँ एक टा फॉर्मक स्थापना होयबाक चाही जाहि मे लेखक आ पाठकक बीच एक टा एहन माध्यम होअय जे कतहु सँ चौबीसो घंटा आ सातो दिन उपलब्ध होअय। जाहि मे प्रकाशनक नियमितता होअय आ जाहि सँ वितरणक समस्या आ भौगोलिक दूरीक अंत भ' जाय। फेर सूचना-प्रौद्योगिकीक क्षेत्र मे क्रांतिक फलस्वरूप एक टा नव पाठक आ लेखक वर्गक हेतु, पुरान पाठक आ लेखकक संग, फॉर्म प्रदान कयनाइ सेहो एकर उद्देश्य होयबाक चाही। हम इंटरनेट पर मैथिलीक काज प्रारम्भ कयने रही 2000 ई. मे याहू जियोसिटीज पर। 2000-2001 मे मुदा ओ सभ साइट याहू द्वारा सेवा समाप्तिक बाद डिलीट भ' गेल। 15 जुलाई, 2004 केँ बनाओल 'भालसरिक गाछ' <http://www.videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> पर एखनो उपलब्ध अछि, मैथिलीक इंटरनेट पर प्रथम उपस्थितिक रूप मे अखनो विद्यमान अछि। शुरू मे आस्की फॉण्ट कुतिदेव, शुशा सभ साइट लेल प्रयुक्त होइत छल। पहिने ई उपयोगी छल, मुदा आब सर्च इंजिन मे यूनिकोड-यू.टी.एफ 8 केर सर्च होइत छै आ आस्की मे लिखल देवनागरीक सर्च नहि भ' पबैत अछि। विन्डोज मे मंगल वर्णमुख (फॉण्ट) अबैत छै से यूनिकोड मे छै आ एहि मे लिखल देवनागरी सर्च भ' जाइत अछि। मिथिलाक्षरक यूनिकोड रूपक आवेदन (अंशुमन पाण्डेय द्वारा देल गेल) लंबित अछि जाहि मे बर्कले विश्वविद्यालयक प्रोफेसर डेबोराह एन्डरसन, Project Leader, Script Encoding Initiative, Dept. of Linguistics, UC Berkeleyक आग्रह पर हमहूँ योगदान देने रही। पाठक आ लेखक दुनू कम रहथि, मुदा जेना-जेना यूनिकोड आधारित अन्वेषण यंत्र गूगल, लाइव आ आस्क डॉट

कॉम द्वारा विकसित भेल तेना-तेना अंतर्जाल पर मैथिली पाठक आ लेखक मे वृद्धि होइत गेल।

मैथिली आ अंतर्जाल :

किछु अंतर्जाल जेना विदेह, कतेक रास बात (आदि यायावर, राजीव रंजन लाल, करन समस्तीपुरी आ कुन्दन कुमार मल्लिक), प्रकारांतर-मिथिला दर्पण (विजय ठाकुर), हेलो मिथिला (धीरेन्द्र प्रेमर्षि वला), हेलो मिथिला (हितेंद्र गुप्ता बला), मिथिला मिहिर (अविनाश), ई-समाद (आशीष झा), टोला (गिरीन्द्र नाथ झा), मिथिला टोल (विनीत उत्पल), मैथिली टाइम्स (बिपिन बादल), मिथिला डाट कम (सुजीत झा, जनकपुर), सिंगरहार (विवेकानंद झा), मैथिल आर मिथिला (जितमोहन झा जीतू), अनचिन्हार आखर, कोलकाता (आशीष अनचिन्हार), देसिल बयना (कृष्णमोहन झा), देसिल बयना (मंजीत ठाकुर), मिथिला समाचार (शैलेश झा), जनकपुर न्यूज (जीतेन्द्र झा, जनकपुर), मैथिल वाइ एन झा (यशोनाथ झा), मिथिला न्यूज डॉट कॉम (हितेंद्र गुप्ता), <http://mjnk.co.cc/> आ <http://www.terainepal.co.cc/> सुरेश यादव, जनकपुर, कौतुक रमणक ब्लोग आदि मैथिलीक किछु प्रमुख जालस्थल अछि। एकरा अलाबे मिथिला समाद दैनिकक ब्लोग (रूपेश झा त्योथ द्वारा संचालित), जानकी एफ.एम. (जनकपुर) मैथिली समाचार रेडियोक साइट, कान्तिपुर एफ.एम. (जनकपुर)क साइट, मिथिलांगन डाट ओ.आर.जी., मैलोरंग नाट्य संस्थाक ब्लॉग, मिथिला विहार, मिथिला लाइव, मिथिला नेट, मिथिला ओनलाइन, मिथिला दर्पणक साइट, सी-डैक पुणेक अओजार आ फॉण्ट आ जय मिथिला, वाई.एम.एम.एम. सन किछु आर महत्वपूर्ण रचनात्मक साइट अछि।

एत' साहित्य, समाचार, मैथिली ऑडियो, मैथिली वीडियो, मिथिला चित्रकला, इलेक्ट्रोनिक मैथिली पोथी सभ किछु अछि!...

मैथिली मे जालस्थल निर्माण:

पहिने कोनो ऑनलाइन प्रतिष्ठित संस्था सँ प्रदेश नाम (डोमेन नेम) कीनू। उदाहरणस्वरूप रिडिफ डॉट कॉम पर जाऊ आ रिडिफ होस्टिंग पर क्लिक करू। ओत' बुक यूअर डोमेन पर जाक' इच्छित नाम टिक क' देखू जे ओ उपलब्ध अछि आकि नहि। अहाँ अपन जालस्थलक हेतु उपयुक्त डोमेन नेम क्रेडिट कार्ड सँ ऑनलाइन कीनि सकैत छी। ई सस्ता छै, दस डॉलर प्रतिवर्ष एकर अधिकतम मूल्य छै। तकरा बाद जालोद्वहन सेवा (वेब होस्टिंग सर्विस)क लिंक पर जाऊ। 5 वा दस साल लेल 100 एम.बी. स्थानक संग जालोद्वहन सेवा लिअ'। आ एकरा संग माय एस.क्यू.एल. सेवा मुफ्त छै, मुदा ओहि मे लाइनेक्स पर काज कर' पड़त जे कनेक कठिनाह/तकनीकी भ' सकैत अछि, से माइक्रोसॉफ्ट एस.क्यू.एल. सेवा किछु आर पाइ लगा क' अहाँ कीनि सकैत छी। आब अहाँ लग 20 एम. बी. केर एस.क्यू.एल. दत्तनिधि (डाटाबेस) आ 80 एम.बी. केर साइट लेल जगह बाँचत (माने पूरा 100 एम.बी.) आ से पर्याप्त अछि। माइक्रोसॉफ्ट एस.क्यू.एल. सेवा लेलाक उपरांत अपन माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल संचिका ओत' चढ़ा सकैत छी आ तकर उपयोग अपन जालस्थल पर एक टा मध्यस्थ (इन्टरफेस) बना क' अहाँ क' सकैत छी। एस.क्यू.एल. आधारित ओनलाइन सर्वेबल डिक्शनरी सेहो अंतर्जाल पर अछि (विदेह कोश)। एहि लेल अपन दत्तसंग्रह कोनो तन्त्रांश जेना ई.एम.एस. एस.क्यू.एल. मैनेजरक माध्यमे अपन वितरक पर चढ़ाओल जाइत अछि आ अपन जालस्थलक पृष्ठ पर मध्यस्थ (इन्टरफेस) देल जाइत अछि।

आब जालस्थल (वेबसाइट) बनेबाक विधि पर विचार करी। माइक्रोसॉफ्ट फ्रंट पेज ऑफिस एक्स.पी.क संग अबैत अछि। ऑफिस 2003 मे सेहो ई अलग सँ उपलब्ध अछि। फ्रंटपेज मे बनल-बनाओल वेबसाइट विजार्ड चलाऊ। मोटा-मोटी पाँच पृष्ठक जाल-स्थल बनि जायत। एहि मे वाम कात राइट क्लिक क' पृष्ठक संख्या बढ़ा सकैत छी। ऊपर मे स्थित थीम सँ अपन इच्छा मोताबिक बनल-बनाओल डिजाइन सेहो ल' सकैत छी। साइटक कोनो पृष्ठ केँ अहाँ फोटो एलीमेन्ट द्वारा फोटो गैलरी मे परिवर्तित क' सकैत छी आ 3-4-5-6 स्तम्भ मे फोटो सभ सजा सकैत छी।

गूगल आ वर्डप्रेस द्वारा जालवृत्त खोलबाक लेल बहुत रास बनल बनायल परिकल्पित नमूना स्थल निर्माण लेल उपलब्ध अछि आ ओत' लेखन, संदेश आ टिप्पणीक लेल असीमित दत्तांशनिधि उपलब्ध अछि, जत' जालोद्वहन मँगनी मे देल जा रहल अछि। ई सभ जालवृत्त निर्माण स्थल उपभोक्ता केन्द्रित अछि आ एत' सरल लेखन-पद्धतिक व्यवस्था सेहो कयल गेल अछि।

लाभ-हानि:

अंतर्जाल पर सूचनाक त्वरित सम्प्रेषण होइत अछि, मुदा एकर उपयोग सँ बेसी दुरुपयोगक संभावना रहैत अछि। खास क' नाम बदलि क' विभिन्न आइ.एस.पी. सँ कमेन्ट आ ब्लैकमेल केनाइ आदि। ओकरा उधार करबाक विधि सेहो अछि, मुदा से ऊर्जाक अपव्यय सेहो करबैत अछि। जत' इंटरनेटक स्पीड कम छैक वा इंटरनेट महग छैक ओत' सामग्री pdf स्वरूप मे संग्रहण कयल जा सकैत अछि, जकरा डाउनलोड क' पाठक अपन कम्प्युटर मे सुरक्षित राखि सकैत छथि आ अपना सुविधानुसार पढ़ि सकैत छथि। कोनो फाइल केँ पढ़बाक हेतु कंप्प्युटर मे आवश्यक फॉण्ट होयब जरूरी अछि, नहि तँ सभ सँ सरल उपाय अछि शब्द-संसाधक मे बनल

लेख (वर्ड डोक्युमेंट) केँ पी.डी.एफ. फाइल मे परिवर्तित करब। एहि मे नफा नुकसान दुनू अछि। नफा जे बिना कोनो फांटक इन्जिटिक पी.डी.एफ.फाइल जाइ काँटा/वर्णमुख/लिपि मे लिखल गेल अछि, ताहि मे पढ़ल जा सकैत अछि। एकर नुकसान जे जखने फाइल मे जा क' सेव एज टेक्स्ट करब तँ अंग्रेजी तँ सेव भ' जायत मुदा देवनागरी तेहन सेव होयत जे पढ़ि नहि सकब।

अंतर्जाल प्रवासी मैथिलक लेल वरदान सिद्ध भेल अछि आ एहि मैथिल मे बच्चा आ महिलाक संग जाहि तरहें सवर्णतर पाठक आ लेखक जुटलाह से अद्भुत अछि।

आ एत' मैथिली केँ देल स्लो-पोइजनिंगक विरुद्ध काज होइत अछि। मैथिलीक नाम पर कोनो कम्प्रोमाइज नहि भेटत। सुच्चा मैथिली पाठक। एखन तेहन कोनो गोलौसी नई। व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा मे कटाउझ करैत बिन पाठकक पत्रिका नई अछि ई जे स्वयं मरि रहल अछि आ मैथिली केँ मरि रहल अछि। ओना मैथिलीक किछु जालवृत्त पर सेहो जातिगत कटाउझ आ अपशब्दक प्रयोग देखबा मे आयल अछि आ से केनिहार व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा बला सभ छथि। अंतर्जाल पर ई-प्रकाशित रचना केँ हजारक-हजार पाठकक स्नेह आ ऑनलाइन कामेन्ट प्राप्त होइत अछि। राष्ट्रीय सर्वेक्षण ई देखबैत अछि जे संस्कृत, हिन्दी, मैथिली आ आन साहित्य कॉलेज मे वैह पढ़ैत छथि जिनका प्रायः दोसर विषय मे नामांकन नहि भेटैत छनि, पत्रकारिता मे सेहो यैह सभ अबैत छथि। प्रतिभा विपन्न एहने साहित्यसेवी केँ साहित्यक चश्का लागल छनि आ हिनके हाथ मे मैथिली भाषाक भविष्य सुरक्षित रहत? मैथिली जे सीमित प्रतियोगी (दुर्जेय!) सभक आपसी महत्वाकांक्षाक मारिक बीच मरि रहल छलि ताहि मे अंतर्जाल हस्तक्षेप कयलक अछि। विज्ञान कथा, बाल-किशोर कथा-कविताक एत' अमार लागल अछि, मिथिलाक भाषाक

कोमल आरोह-अवरोह, एतुक्का सर्वहारा वर्गक सर्वगुणसंपन्नता, संगहि एतुक्का रहन-सहन आ संस्कृतिक कट्टरता आ राजनीति, दिनचर्या, सामाजिक मान्यता, आर्थिक स्थिति, नैतिकता, धर्म आ दर्शन सभ वस्तु एत' अछि। मात्र मैथिल ब्राह्मण नीक मैथिली लिखि सकै छथि से तथ्य जालवृत्त पर पोस्ट भेल असंपादित रचना झूठ सिद्ध करैत अछि। आ से गैर ब्राह्मण आ गैर कर्ण कायस्थ पाठक आ लेखक सभ पुरना ढंगक मैथिली पाठक आ लेखकक सोझा प्रतिमान प्रस्तुत करैत अछि जे ओ गलत नई बाजि रहल छथि, वरन मैथिली गलत लिखल जा रहल छल। आ मैथिली साहित्य एकभगाह भ' जयबा सँ बचि जाइत अछि। आ अंतर्जाल सँ प्रिंट मे प्रवेश सेहो सरल अछि। कारण प्रकाशक केँ बनल बनाओल सामग्री प्राप्त होइत छनि, खर्चा बचि जाइ छनि।

अंतर्जाल पर मैथिलीक भविष्य:

जहिया प्रेस आयल छल तँ ओकरा बुर्जुआ वर्गक होयबाक विशेषण भेटल रहय। उपन्यास सेहो प्रेस अयला पर आयल से ओहो बुर्जुआ साहित्य कहाओल, मुदा आस्ते-आस्ते ओ धारणा खत्म भेल। अंतर्जालक साहित्य सेहो प्रिंट साहित्यक पूरक रहबे करत। जे लोक कम्प्यूटर स्क्रीन पर नई देखताह से प्रिंट क' देखताह। आ प्रिंट ओन डीमांडक सुविधा सेहो पोथी डाट काम आ आन साइट/प्रकाशक द' रहल छथि। मैथिली लेल अंतर्जाल द्वारा प्रकाशनक नियमितता, वितरणक समस्याक समाप्ति, शून्य लागत आ भौगोलिक दूरीक अंत एक टा वरदान सिद्ध भेल अछि।



संपर्क : 389, पॉकेट-सी,
सेक्टर-ए, वसंत कुंज
नई दिल्ली-110070

मोबाइल : 9911382078

ई-मेल : ggajendra@gmail.com

